

मृगधूर्त (मृग + धूर्त) m. *Schakal* SAMKSHIPTAS. im ÇKDR. ०क m. dass. AK. 2, 5, 5. H. 1290. HALĀJ. 2, 74. Vgl. Spr. 1443.

मृगनाभि (मृग + ना०) m. 1) *Moschus* AK. 2, 6, 31. H. 644. HĀR. 103. HALĀJ. 2, 389. RATNAM. 133. UGĒVAL. ZU UNĀDIS. 4, 125. RĪ. 6, 12. KUMĀRAS. 1, 55. RAGH. 17, 24. KĀURAP. 9. — 2) *Bisamthier*: दृषदे वासितोत्सङ्गा निषण्णमृगनाभिभिः RAGH. 4, 74. निषण्णानामुपविष्टानां मृगाणां नाभिभिः कस्तूरीभिर्वासित उत्सङ्गा यासां ताः Schol. in der ed. Calc.; *quorum superficies odorata erat moscho hinnuleorum, qui ibi conederant* STENZLER. Vgl. नाभि, welches auch schon das *Bisamthier* bezeichnet.

मृगनाभिजा (मृ० + जा von 1. ङ) f. *Moschus* H. 643.

मृगनाभिमय (von मृगनाभि) adj. aus *Moschus* gebildet HARIV. 7871.

मृगनेत्र (मृग + नेत्र) adj. f. ऋ 1) das Nakshatra Mṛga zum Führer habend P. 5, 4, 116, Vārtt. 2, Sch. रात्रि Vop. 6, 30. MED. r. 293. BRAHMAP. und MALAMĀSAT. im ÇKDR. — 2) f. gazellenäugig, ein gazellenäugiges Weib MED. r. 293. sh. 43.

मृगपति (मृग + प०) m. 1) *der Herr des Wildes*, Bez. des Löwen H. 1284. HALĀJ. 2, 59. HARIV. 12705. Spr. 2765. VARĀH. BRH. S. 17, 24. BHĀG. P. 5, 23, 10. *des Tigers* MBH. 12, 4277. — 2) *Rehbock*: तं महीशयने सुप्तं त्रितिनाथं गतायुषम् । भार्याः स्म दृष्ट्वा क्रोशन्ति मृग्यो मृगपतिं यथा ॥ HARIV. 4781.

मृगपद n. = मृग्याः पदम् gaṇa कुक्कुट्यादि zu P. 6, 3, 42, Vārtt. 1.

मृगपालिका (मृग + पा०) f. *Bisamthier* ÇABDĀRTHAK. bei WILSON.

मृगपिल्लु (मृग + पिल्लु) m. *der Mond* TRIK. 1, 1, 85. Vgl. u. मृग 1, b. am Ende.

मृगप्रभु (मृग + प्रभु) m. *der Herr des Wildes*, Bez. des Löwen KATHĀS. 60, 200.

मृगबन्धिनी (मृग + बन्धिनी) f. *ein Netz zum Fangen des Wildes* AK. 2, 10, 27.

मृगभन्ता (मृग + भन्ता) f. *Nardostachys Jatamansi* Dec. RĀĒAN. im ÇKDR.

मृगभोजनी (मृग + भोजनी) f. *Koloquinthe* SUÇR. 2, 103, 21.

मृगमद् (मृग + मद्) m. *Moschus* AK. 2, 6, 31. H. 644. HĀR. 103. HALĀJ. 2, 389. RATNAM. 133. ÇRUT. 44. KATHĀS. 22, 96. 36, 49. Verz. d. Oxf. H. 233, a, 5 (pl.). GĪT. 1, 29. 7, 22. DHĪRTAS. in LA. 92, 8.

मृगमद्वासा (मृ० + वासा) f. *Moschusbeutel* RĀĒAN. im ÇKDR.

मृगमन्द (मृग + मन्द) 1) m. Bez. einer Art von Elephanten R. GORR. 1, 6, 27. 3, 20, 25. Vgl. मृगमन्द्र. — 2) f. ऋ N. pr. *der Urmutter der Löwen und Sṛmara* (und Kāmara) MBH. 1, 2624. 2626. R. ed. Bomb. 3, 14, 21. 23; vgl. मृगवती.

मृगमन्द्र (मृग + मन्द्र) m. Bez. einer Art von Elephanten R. ed. Bomb. 1, 6, 25.

मृगमय (von मृग) adj. *vom Wild kommend* NIR. 9, 19.

मृगमातृका (मृग + मा०) f. *ein best. Thier* SUÇR. 1, 200, 9. 18. *Hirschkuh* WILSON. SUÇR. 2, 412, 4 haben wir भृगमात्रिकान्, wofür wir früher मृगमात्रिकान् oder मृगमात्रकान् vermutheten; vielleicht dass auch hier मृगमातृकान् oder मातृकाः zu lesen ist.

मृगमास (मृग + मास) m. *der Monat Mārgaśirsha* VARĀH. BRH. S. 21, 30.

मृगमुख (मृग + मुख) m. *der Steinbock im Thierkreise* VARĀH. BRH. 11, 7. 10. — Vgl. मृगास्य.

मृगय (von मृग), मृगयते DHĀTUP. 33, 46. aus metrischen Rücksichten auch act. 1) (dem Wilde) *nachsetzen, verfolgen, jagen*: गोभिर्पदीमन्य

अस्मन्मृगं न त्रा मृगयति RV. 8, 2, 6. AV. 4, 36, 3. 10, 3, 42. (लुब्धकः) मृगयामास वै मृगम् MBH. 13, 265. मृगयेयम् HARIV. 14632. युष्मद्विधान्मृगये ग्रामसिंहान् BHĀG. P. 3, 18, 10. रामो मृगं मृगयते वनवीथिकासु MAHĀN. im ÇKDR. — 2) *suchen*: आस्पेन तु यदाहारे गोवन्मृगयते मुनिः MBH. 1, 3644. 3, 3517. मृगयधे नलम् 2655. HARIV. 4087. किं हि मृगयते ऽत्र R. 1, 11, 16. सेवयि मृगयामहे नरमहे मूढाः Spr. 1527. 4703. BHATT. 6, 98. मृगयाण MBH. 3, 2745. 5, 3464. मृगयितुम् 3, 2741. मृगयामि 1, 5897. मृगयिष्यति 3, 2596. मृगया बभूव 10074. मृगयन् 5, 3511. मृगयत R. GORR. 1, 42, 10. 11, 21. 4, 50, 8. 20. Spr. 3837. BHĀG. P. 3, 21, 27. 4, 8, 23. काप्यन्या मृगयता त्वया Spr. 4818. BHĀG. P. 4, 8, 23. VIKR. 32, 16. अन्तर्पश्य मुमुतुभिर्निर्मितप्राणादिभिर्मृगयते 1. मृगित AK. 3, 2, 54. H. 1491. — 3) *durchsuchen*: मृगयस्व दिशं पूर्वाम् R. 4, 40, 17. मार्गं मार्गं मृगयति मृगारतिरामे MAHĀN. 154. *besuchen*: नैमिषे मृगयानस्य (so beide Ausgg.) MBH. 3, 8038. मृगयित्वा बहून्ध्यामात्राष्ट्राणि नगराणि च 4, 865. — 4) *Etwas suchen* so v. a. *zu erlangen streben, einer Sache nachgehen, trachten nach* (acc.): यज्ञं दीतीं तथा हेमान्यञ्चान्यन्मृगयामहे MBH. 14, 2876. एतावदेव मृगये MĀLAV. 93. न रत्नमन्विष्यति मृगयते हि तत् KUMĀRAS. 5, 45. ad ÇĀK. 62. य आत्मनः प्रियद्विते हित्वा मृगयते श्रियम् Spr. 4730. 8059. लुब्धकाद्गीतलेभिर्न मृगो मृगयते वधम् 2998. भूयो मृगयेत युद्धम् HARIV. 9830. मृगयत्रणम् BHĀG. P. 3, 17, 20. — 5) *Etwas* (acc.) von Jmd (abl. gen. oder सकाशात्) *verlangen, fordern, sich erbitten*: वयो व्रपे कुलं शीलं वित्तं चेति वरस्य यत् । मृगयते Spr. 2724. किरण्यगुप्तस्य किञ्चिन्मृगयितुं धनम् KATHĀS. 4, 43. कीर्तिसामतः । मृगयस्व धने किञ्चित् 61, 305. तत्सकाशादायं किञ्चिद्विद्युच्च मृगयामहे 52, 299. — 53, 5. 56, 296. — Vgl. मार्ग, मृग्य.

— परि *suchen* R. 5, 14, 62.

— प्र स. प्रमृग्य.

— वि *suchen*: श्रियेतेरिर्ङ्ग विमृगयमाणाया BHĀG. P. 4, 8, 23. *untersuchen, prüfen*: बलं तावद्विमृगयताम् HARIV. 4980, v. l. der neueren Ausg. für विमृष्यताम् d. i. विमृश्यताम्.

मृगय m. N. pr. eines von Indra bekämpften Dämons RV. 4, 16, 13. 8, 3, 19. 10, 49, 5. — Vgl. मृग 1, f.

मृगयैस् (von मृगय) m. *Wild*: त्वया कृतमप्यमप्यु भागं धन्वान्वा मृगयसो वि तस्युः RV. 2, 38, 7.

मृगया (wie eben) f. P. 3, 3, 101, Vārtt. *Jagd* AK. 2, 10, 24. H. 738. 927. HALĀJ. 2, 280. H. an. 2, 42 (= मृग). M. 7, 47. 50. R. 2, 49, 15. ÇĀK. 38. Spr. 2235. KĀM. NĪTIS. 14, 26. KATHĀS. 21, 28. 27, 145. DAÇAR. 4, 77. ०शील MBH. 3, 15573. ०रस VER. in LA. (II) 5, 1. ०व्यसन KĀM. NĪTIS. 14, 24. ०क्रीडा 28. ०क्रीडन 42. ०वेष ÇĀK. 24, 15. राजर्षिणां च लेकि ऽस्मिन्नयस्या मृगया वने R. GORR. 2, 46, 16. मृगयां गन्तुम् MBH. 1, 2334. 13, 533. पयुः 3, 15574. R. 1, 19, 23. Schol. zu KĀT. ÇR. 24, 5, 21. ०पान KĀM. NĪTIS. 14, 41. मृगयामहे वने R. 2, 97, 10. चर् R. GORR. 2, 91, 4. 3, 49, 18. निर्यातः MBH. 13, 546. प्रयाताः 3, 15607. पर्यटिष्यामि R. 2, 49, 14 (46, 15 GORR.). विक्रन् R. GORR. 2, 36, 6. ०विकारिन् ÇĀK. 17, 21. ०विकार Z. d. d. m. G. 14, 374, 16. मृगययि नृपो ययौ KATHĀS. 32, 125. स निरगाम्मृगययि 66, 144. Personificirt im Gefolge des Revanta VARĀH. BRH. S. 58, 56.

मृगयारण्य (मृगया + ऋ०) f. *ein zum Jagen eingerichteter Wald, Wildgehege*: कारयेन्मृगयारण्यं क्रीडाकृतिर्मनिरामम् KĀM. NĪTIS. 14, 28. — Vgl. मृगकानन.